B.Ed.

बी.एड.

प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य

2015

शिक्षा विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

बी.एड. (प्रथम वर्ष)

कृपया ध्यान दें :

a) सभी दत्तकार्यों के उत्तर आप स्वयं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा अपने कार्यक्रम अध्ययन केन्द्र के कार्यक्रम प्रभारी के पास जमा करें।

b) आप अपने उपयोग की दृष्टि से सभी दत्तकार्यों के उत्तरों की एक प्रति अपने पास रख सकते हैं।

ई.एस. 331– पाठ्यचर्या एवं अनुदेशन

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखिए।

(i) उचित उदाहरणों सहित शिक्षण और अधिगम के उद्देश्य विकसित करने के मेगर उपागम की व्याख्या कीजिए। (500 शब्दों)

(ii) कक्षा में पढ़ाते समय आप सम्पूरक कौशल का प्रयोग किस प्रकार करेंगे? उल्लेख कीजिए। (500 शब्दों)

(iii) मान लीजिए, आपकी कक्षा एक अत्यधिक बाधाकारक बच्चा है, कक्षा प्रबन्धन में आपके द्वारा प्रयोग की जाने वाली विभिन्न तकनीकों की व्याख्या कीजिए। (500 शब्दों)

ई.एस. 332– विकास एवं अधिगम का मनोविज्ञान

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) अधिगम के मानवतावादी उपागम के लक्षणों की व्याख्या कीजिए तथा मानवतावादी उपागम में 'स्व' के महत्व का वर्णन कीजिए। (250 शब्दों)

(ii) वैयक्तिक विभिन्नताओं पर वातावरण के प्रभावों की चर्चा कीजिए। (250 शब्दों)

(iii) अपने विद्यालय में विशिष्ट आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों की निम्नलिखित श्रेणियों में पहचान कीजिए तथा उनकी सामाजिक, मनोवैज्ञानिक तथा शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आपके द्वारा अपनाई जाने वाले रणनीतियों का उल्लेख कीजिए:

(a) अधिगम अशक्त विद्यार्थी

(b) आर्थिक व सामाजिक स्तर में कमजोर बालिका विद्यार्थी

(c) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन–जाति के विद्यार्थी (1000 शब्दों)

ई.एस. 333—शैक्षिक मूल्यांकन

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) संक्षिप्त में मूल्यांकन के प्रयोजन की व्याख्या कीजिए। (250 शब्दों)

(ii) 'श्रेणी निर्धारण मापनी' की आवश्यकता, महत्व, लाभ तथा हानियों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। (250 शब्दों)

(iii) सतत एवं व्यापक मूल्यांकन क्या है? एक अध्यापक के रूप में आपने अपने विद्यालय में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन लागू किया होगा। सतत एवं व्यापक मूल्यांकन में आपके द्वारा अनुभव की गई समस्याओं की व्याख्या कीजिए तथा उसमें सुधार हेतु उपाय सुझाइये। (1000 शब्दों)

ई.एस. 341—विज्ञान शिक्षण

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) विज्ञान की प्रकृति क एक प्रक्रिया और उत्पाद के रूप में चर्चा कीजिए। (250 शब्दों)

(ii) विज्ञान शिक्षण में 'परियोजना विधि' के प्रत्यय, लाभ तथा सीमाओं की व्याख्या कीजिए। (250 शब्दों)

(iii) विज्ञान अध्यापक के रूप में अपने विज्ञान प्रयोगशाला के महत्व को अनुभव किया होगा। अपने विद्यालय की विज्ञान प्रयोगशाला की एक रूपरेखा खीचियें तथा सुधार हेतु सुझाव दीजिए। (1000 शब्दों)

ई.एस. 342—गणित शिक्षण

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) माध्यामिक स्तर पर गणित शिक्षण के लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए। (250 शब्दों)

(ii) गणित शिक्षण में आगमनात्मक और निगमनात्मक विधियों में अन्तर स्पष्ट कीजिए। (250 शब्दों)

(iii) गणित अध्यापक के रूप में अपने प्रभावी शिक्षण में सहायक सामग्री के महत्व को अनुभव किया होगा। आपके द्वारा प्रयोग की गयी किन्ही दो ऐसी सामग्री का उल्लेख कीजिए तथा बताइए कि शिक्षण–अधिगम में उनकी प्रभाविता का मूल्यांकन आपने कैसे किया? (1000 शब्दों)

ई.एस. 343–शैक्षिक मूल्यांकन

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) सामाजिक अध्ययन पाठ्यचर्चा संगठन के विधि उपागमों का वर्णन कीजिए। माध्यामिक स्तर पर सामाजिक अध्ययन पाठ्यचया संगठित करने के लिए आप किस उपागम का प्रयोग करेंगे और क्यों? (250 शब्दों)

(ii) अपने विद्यालय में कक्षा 9 के लिए एक सामाजिक अध्ययन का प्रश्न पत्र बनाइए। प्रश्न पत्र निर्माण में आपके द्वारा अपनाए गए चरणों का वर्णन कीजिए। (250 शब्दों)

(iii) अपने विद्यालय के कक्षा 10 की सामाजिक अध्ययन पाठ्यचर्या से एक उपयुक्त शीर्षक पर एक परियोजना कार्य आयोजित कीजिए। एक प्रतिवेदन बनाइये कि आपने परियोजना कार्य का किस प्रकार नियोजन तथा संगठन किया? यह भी उल्लेख कीजिए कि परियोजना कार्य में विद्यार्थियों के निष्पादन का मूल्यांकन आपने कैसे किया? (1000 शब्दों)